सितम्बर 2023

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,मैसूर

आकृति-2
त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका

के. वि. संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
जी आई टी बी प्रेस कैम्पस, सिद्धार्थनगर, मैसूर-570011

kvszietmysore@gmail.com.
Phone: 0821 2470345

केंद्रीय विद्यालय संगठन
आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,मैसूर

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

संरक्षक

सुश्री मीनाक्षी जैन

निदेशक जीट मैसूर

संपादक

श्री धर्मेश कुमार सिंह

पुस्तकालयाध्यक्ष

के. वि. संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जी आई टी बी प्रेस कैम्पस, सिद्धार्थनगर, मैसूर-570011

संदेश

केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर अपने त्रैमासिक गतिविधियों को अपनी ई पत्रिका आकृति भाग दो के द्वारा आपके सम्मुख प्रस्तुत कर रही हूँ ।पत्रिका का मुख्य उद्देश्य हिंदी प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना है ।राजभाषा के माध्यम से प्रकाशित यह पत्रिका नूतन विचार, दृष्टिकोणों की मौलिकता ,रचनात्मक कौशल को आयाम प्रदान कर रहा है। हिंदी सृजनात्मकता को प्रभावी करने की दिशा में यह एक सकारात्मक क़दम है ।

प्रशिक्षण कर्मचारी की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है ।प्रशिक्षण शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तनों से शिक्षकों का परिचय कराता है ।आप सभी के समक्ष विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं अन्य गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बड़ा हर्ष अनुभव हो रहा है। सभी के लिए शुभकामनाओं सहित।

सभी जनों को हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं |

निदेशक एवं अध्यक्ष कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति।

आकृति विशेष

विषय वस्तु	रचनाकार का नाम	पृष्ठ क्रमांक
शुभकामना संदेश		
राजभाषा हिन्दी	श्री धर्मेश कुमार सिंह	5 -10
ज़ीट मैसूर में आयोजित कार्यशाला		11-34
हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन		36-38
हिंदी कार्यशाला का आयोजन		39
स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन		40
केन्द्रीय सतर्कता आयोग संबंधी कार्यक्रम		41-42
फोटो गैलरी		

राजभाषा हिंदी

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

हिन्दी की विशेषताएँ:

- संसार की उन्नत भाषाओं में हिंदी सबसे अधिक व्यवस्थित भाषा सरल भाषा , लचीली भाषा विश्व भाषा बनने की पूर्ण अधिकारी देवनागरी लिपि अत्यन्त वैज्ञानिक संस्कृत शब्द संपदा एवं नवीन शब्द रचना सामर्थ्य विरासत में मिली है , देशी भाषाओं की शब्द संपदा ग्रहण की है।
- बोलने एवं समझने वाली जनता सौ करोड़ से भी अधिक
- हिन्दी का साहित्य सभी दृष्टियों से समृद्ध

हिंदी : कुछ तथ्य

- हिंदी दिवस को प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है।
- 14 सितम्बर 1949 को हिंदी भाषा को भारत की राष्ट्रभाषा माना गया था।
- संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।
- संविधान के 26 जनवरी, 1950 को लागू होने के साथ ही हिंदी हमारी राजभाषा हो गयी।
- प्रत्येक वर्ष हम 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के साथ-साथ हिंदी सप्ताह, हिंदी माह,हिंदी पखवाड़ा मनाते हैं।
- हिंदी दिवस हिंदी भाषा के सम्मान और उत्थान के लिए मनाया जाता है।
- हिन्दी भाषा पुरे भारतवर्ष की राष्ट्रीय भाषा भी है।
- हिंदी भाषा को गांधी जी ने जनमानस की भाषा कहा था।

+विश्व की प्राचीन और सरल भाषाओं की सूचि में हिंदी को अग्रिम स्थान मिला हैं। हिंदी भारत की मूल है। यह भाषा हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। हिंदी भाषा हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान और गौरव प्रदान करवाती है।फिर भी दुनिया में हिंदी की बढ़ती पॉपुलरटी को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा की हिंदी भविष्य की भाषा है। एक भारतीय होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है की हमें भी हिंदी के महत्व को बढ़ाना देना चाहिए।

भाषा , राष्ट्र भाषा राजभाषा

भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में- जिसके द्वारा हम अपने भावों को लिखित अथवा कथित रूप से दूसरों को समझा सके और दूसरों के भावो को समझ सके उसे भाषा कहते है।

राष्ट्रभाषा – देश/राष्ट्र में सबसे अधिक प्रचलित / व्यवहार में उपयोग की जानेवाली भाषा को उस देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा राष्ट्रभाषा के रुप में घोषित किया जाताहै । इसके तहत देश के सभी सरकारी और गैरसरकारी कार्य को राष्ट्रभाषा में करना अनिवार्य है।

राजभाषा –देश/राष्ट्र का सरकारी कामकाज हेतु उस देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी एक या एक से अधिक भाषा को उस देश की राजभाषा के रुप में घोषित किया जाता है। इसके तहत केवल सरकारी कामकाज राजभाषा में करना अनिवार्य है।

हिंदी भारत की राजभाषा है |

संविधान में मान्यता प्राप्त भाषाएँ

हिन्दी,पंजाबी,उर्दू,कश्मीरी,संस्कृत

असमिया,उड़िया,बंगला

गुजराती,मराठी,सिंधी

तमिल,तेलुगु,मलयालम,कन्नड़

मणिपुरी,कोंकणी,नेपाली

संथाली,मैथिली,बोडो, डोंगरी

आधिकारिक भाषा हिंदी

भारत की आधिकारिक भाषा हिंदी है, जैसा कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में बताया गया है। हालाँकि, भारत एक भाषाई रूप से विविध देश है, और हिंदी के अलावा, 21 अन्य आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं, जिनमें बंगाली, तेलुगु, मराठी, तमिल, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, उड़िया, पंजाबी और कई अन्य भाषाएँ शामिल हैं। इन भाषाओं को उनके महत्व, क्षेत्रीय महत्व और बोलने वालों की संख्या के आधार पर मान्यता दी जाती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ भारत में आधिकारिक और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी का भी बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

भारतीय संविधान में भाग-17 में राजभाषा के विषय में व्यवस्था की गई है.

भाग-17: अनुच्छेद 343 से 351में राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग के बारे में व्यवस्था की गई है.

राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथासंशोधित,1967)

(अधिनियम की संख्या- 19)

राजभाषा अधिनियम, 1976

1976 के राजभाषा नियमों के अंतर्गत 12 नियम बनाए गए, जिनका अनुपालन किया जाना अनिवार्य है.राजभाषा नियम के अंतर्गत समस्त देश को तीन क्षेत्रों मेंबांटा गया - 'क' क्षेत्र, 'ख' क्षेत्र एवं 'ग' क्षेत्र

1.हिंदी पत्राचार का प्रतिशत लक्ष्य –

क्षेत्र	क –	ख-	ग
क क्षेत्र को	-100 %	90 %	55 %
ख क्षेत्र को	-100 %	90 %	55 %
ग क्षेत्र को	- 65 %	55 %	55 %

2. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना -100 %

3. हिंदी में टिप्पण - क क्षेत्र- 75 % ख क्षेत्र-50% ग क्षेत्र – 30%

4. हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण - क क्षेत्र- 75 % ख क्षेत्र-50 % ग क्षेत्र - 30 %

5. हिंदी टंकक/आशुलिपिक की भर्ती 80-70-40 प्रतिशत

6 . हिंदी में डिक्टेशन 65-55-30 प्रतिशत

7. हिंदी प्रशिक्षण 100 %

8 . हिन्दी प्रशिक्षण सामग्री 100 %

9. हिंदी पुस्तकों की खरीद 50 %

10 . कंप्यूटर खरीद द्विभाषी 100 %

11 . वेब साइट द्विभाषी 100 %

राजभाषा के प्रति हमारा दायित्व

हस्ताक्षर हिंदी में करेंगे ।
सभी प्रकार के फॉर्म,आवेदन,रजिस्टर आदि में हिंदी का प्रयोग करेंगे ।
कंप्यूटर पर यूनिकोड अपनाकर हिंदी का प्रसार बढाएंगे ।
सभी रबर स्टँप,बोर्ड,विजिटिंग कार्ड,लेटर हेड हिंदी-अँग्रेजी में बनाएंगे ।
हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में देंगे ।

“साइबर सुरक्षा और संरक्षा " पर दो दिवसीय कार्यशाला
(04.09.2023 to 05.09.2023)

जीट मैसूर में स्कूलों में “साइबर सुरक्षा और संरक्षा " पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 4-5 सितंबर 2023 को जीट मैसूर में आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों और सभी हितधारकों के बीच साइबर सुरक्षा और संरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और शिक्षित करने के लिए और साथ ही साथ संवेदनशील डेटा और सूचना की सुरक्षा के लिए इसे कैसे निष्पादित किया जा सकता है पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई ताकि मास्टर ट्रेनर भी तैयार किए जा सकें जो बदले में केवीएस के प्रत्येक छात्र एवं अन्य कर्मचारियों को ज्ञान प्रदान कर सकते हैं ताकि वे जिम्मेदार नेटिज़न्स बन सकें।

कार्यशाला की शुरुआत सुबह 10:00 बजे उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें ईश्वर की प्रार्थना की गई , इसके बाद पाठ्यक्रम समन्वयक श्री डीके सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत और परिचय किया गया। जीट मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन का भाषण उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण था। उन्होंने विभिन्न जरूरतों का उल्लेख किया जहां इस डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और संरक्षा पर जागरूकता की सख्त जरूरत है। उन्होंने वास्तविक जीवन के उदाहरण दिए कि कैसे लोग हैकिंग और अन्य साइबर अपराधों से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को इस तरह के साइबर अपराधों से खुद को और बच्चों को बचाने के लिए किए जाने वाले विभिन्न उपायों के बारे में बताया और समझाया। उन्होंने साइबर योद्धाओं के रूप में प्रतिभागियों की भूमिका के महत्व से भी अवगत कराया।

दिन के पहले वक्ता पाठ्यक्रम समन्वयक श्री डीके सिंह थे, जिन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों का परिचय दिया, एपीजे अब्दुल कलाम समूह, आर्यभट्ट समूह, होमी जहांगीर भाभा समूह और एस रामानुजन समूह के नाम पर क्रमशः बैंगलोर, चेन्नई, एर्नाकुलम और हैदराबाद क्षेत्रों के लिए क्षेत्रों के अनुसार 04 समूहों का गठन किया और समूह के सदस्यों के बीच आम सहमति से एक समूह के नेता का चयन किया गया, जिसके बाद "साइबर सुरक्षा और सुरक्षा" पर सत्र आयोजित किया गया। साइबर कानून : नीति, परिप्रेक्ष्य, आवश्यकता और दायरा, पर " डॉ राजेश शर्मा, संसाधक द्वारा एक ऐसा सत्र लिया जिसने कार्यशाला के लिए गति निर्धारित की, जिसमें स्कूल संसाधनों की सुरक्षा आदि के साथ-साथ छात्रों की सुरक्षा, गोपनीयता और डेटा संरक्षण पर जोर दिया गया। उन्होंने भारत के साइबर कानूनों पर व्यापक चर्चा की। यह सत्र इंटरैक्टिव, व्यापक और वैचारिक था। एक छोटे से ब्रेक के बाद, श्री डी के सिंह-पाठ्यक्रम समन्वयक ने "साइबर सुरक्षा और सुरक्षा: सुरक्षित रूप से ब्राउज़ करें, जिम्मेदार व्यवहार और साइबर स्वच्छता" पर सत्र लिया। उन्होंने साइबर सुरक्षा और सुरक्षा से संबंधित व्यापक शब्दावली को साझा और समझाया और डिजिटल उपस्थिति बनाए रखने और डिजिटल फुटप्रिंट के प्रबंधन के महत्व को समझाया। सत्र इंटरैक्टिव, दिलचस्प और सभी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभावी था।

सभी सत्र अच्छी तरह से नियोजित, इंटरैक्टिव, व्यापक और समय के अनुसार एवं अच्छी तरह से निष्पादित किया गया था, कुल मिलाकर, कार्यशाला का दो दिन पूर्ण और समृद्ध तथा, निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए था।

सभी सत्र अच्छी तरह से नियोजित, इंटरैक्टिव, व्यापक और समय के अनुसार एवं अच्छी तरह से निष्पादित किया गया था, कुल मिलाकर, कार्यशाला का दो दिन पूर्ण और समृद्ध तथा, निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए था।

समापन समारोह की शुरुआत सुश्री नेहा पाठक, बेंगलुरु क्षेत्र, ए गुरु स्वामी पांडियन, चेन्नई, श्री प्रजुन पीपी, एर्नाकुलम क्षेत्र, श्री किरण कुमार जेट्टी, हैदराबाद क्षेत्र और कार्यशाला के संसाधक डॉ. राजेश शर्मा के वी बिलासपुर रायपुर क्षेत्र सहित प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त अनुभव के साथ हुई। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे उद्घाटन के दौरान माननीय उपायुक्त एवं निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन द्वारा सुझाए गए निर्देशित मार्ग का पालन करेंगे उन्होंने जोर देकर कहा कि इस डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है और जिसमें वास्तविक जीवन के उदाहरण भी शामिल हैं। समन्वयक श्री डीके सिंह सर ने अपनी प्रस्तुति दी और उन्होंने साइबर सुरक्षा और सुरक्षा की सभी प्रमुख शब्दावली को व्यापक रूप से कवर किया।

उनके सत्र बहुत जानकारीपूर्ण, इंटरैक्टिव, व्यापक थे और हम सभी ने अपने मौजूदा ज्ञान और जानकारी को अद्यतन किया। डिजिटल साक्षरता पर इंफोसिस मैसूरु के श्री पी उल्लास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वीवीआईईटी मैसूरु के डॉ बी के मधु के दो अतिथि व्याख्यानों को सुनने का अवसर पाकर हम बहुत समृद्ध हुए हैं और हमने साइबर सुरक्षा जागरूकता और साइबर कानूनों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया।

अपने समापन भाषण में सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर ने हमें साइबर स्पेस, साइबर क्राइम, डार्क वेब आदि के उपयोग और बच्चों के जोखिम के बारे में जागरूक किया,

जहां युवा दिमाग विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने के लिए उकसाया जा सकता है। उन्होंने फिर से विद्यालयों में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रतिभागियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को विद्यालय में साइबर सुरक्षा और सुरक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।और इसी के साथ दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई ।

धर्मेश कुमार सिंह

पुस्तकालयाध्यक्ष

ZIET मैसूर और

पाठ्यक्रम समन्वयक

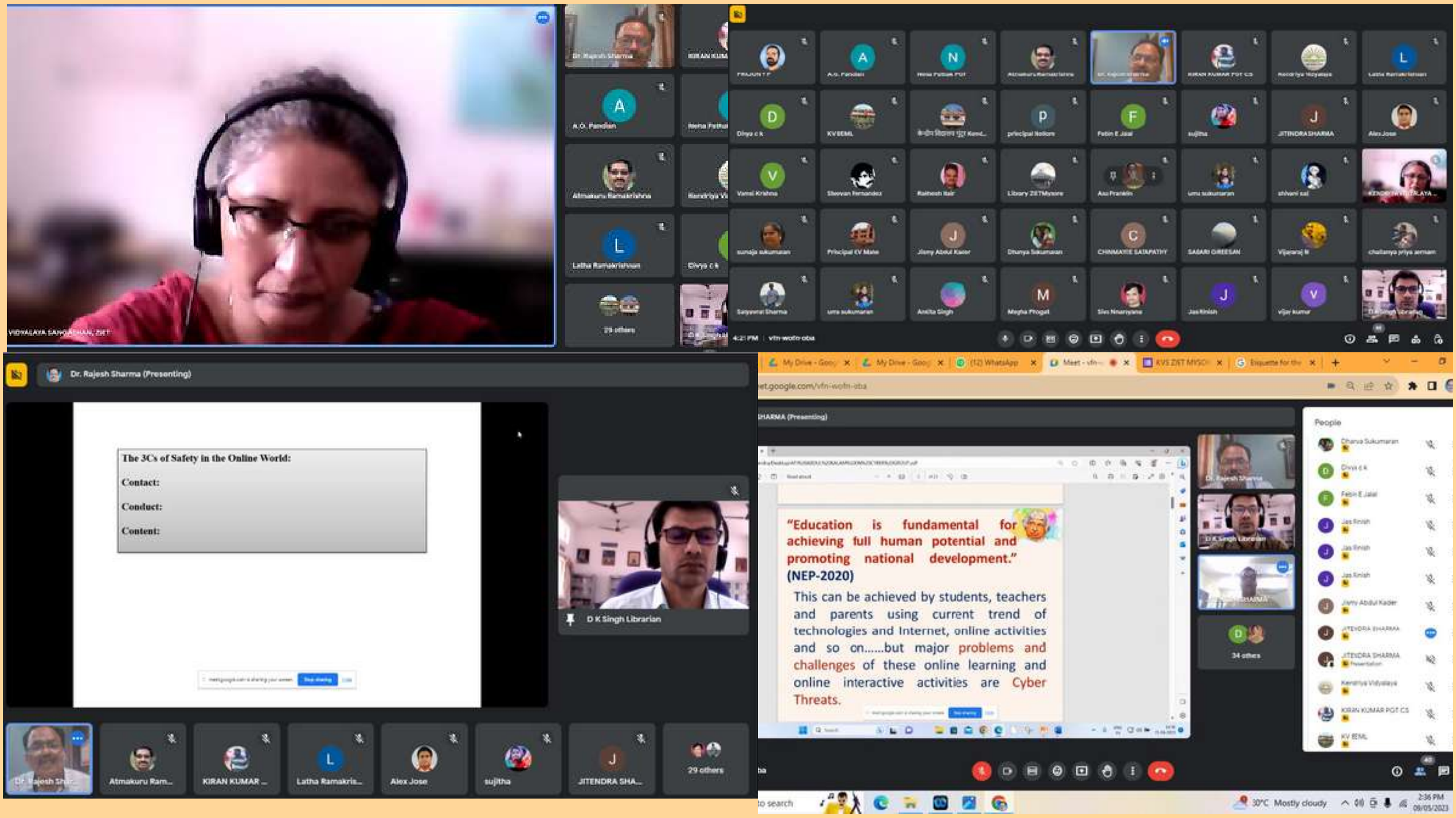

'एनईपी 2020 के संदर्भ में समग्र विकास के लिए समग्र शिक्षा' पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 04-9-2023 से 05-9-2023

जेड आई ई टी मैसूर में "एनईपी 2020 के संदर्भ में छात्रों के समग्र विकास के लिए समग्र शिक्षा" विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यशाला चार फीडर क्षेत्रों अर्थात् बेंगलुरु, चेन्नई, एर्नाकुलम और हैदराबाद के पीआरटी, टीजीटी पीजीटी के लिए आयोजित की गई ।
4 सितंबर को, उपायुक्त और निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन की उपस्थिति में, कार्यशाला समन्वयक श्रीमती रमा रैना, प्रशिक्षण सहयोगी (अर्थशास्त्र) ज़ीट मैसूर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और सभी से केवीएस प्रार्थना में शामिल होने का अनुरोध किया। इसके बाद कार्यशाला समन्वयक द्वारा सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी गई। अपने उद्घाटन भाषण में, निदेशक ने समग्र शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और कार्यशाला के संचालन के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पालन किए जाने के निर्देश भी दिए। निदेशक ने कार्यशाला के समापन के बाद आयोजित होने वाले चिंतनशील सत्र के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया ।

इस विषय पर प्रतिभागियों, समन्वयक और संसाधकों के बीच एक स्वस्थ चर्चा हुई। दूसरे दिन बेंगलुरु, चेन्नई के साथ-साथ एर्नाकुलम और हैदराबाद संभागों की समूह प्रस्तुतियाँ हुईं। डॉ. अनिल कुमार प्रोफेसर शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया गया। समन्वयक द्वारा संचालित समापन सत्र के साथ कार्यशाला समाप्त हुई। उन्होंने सक्रिय भागीदारी वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

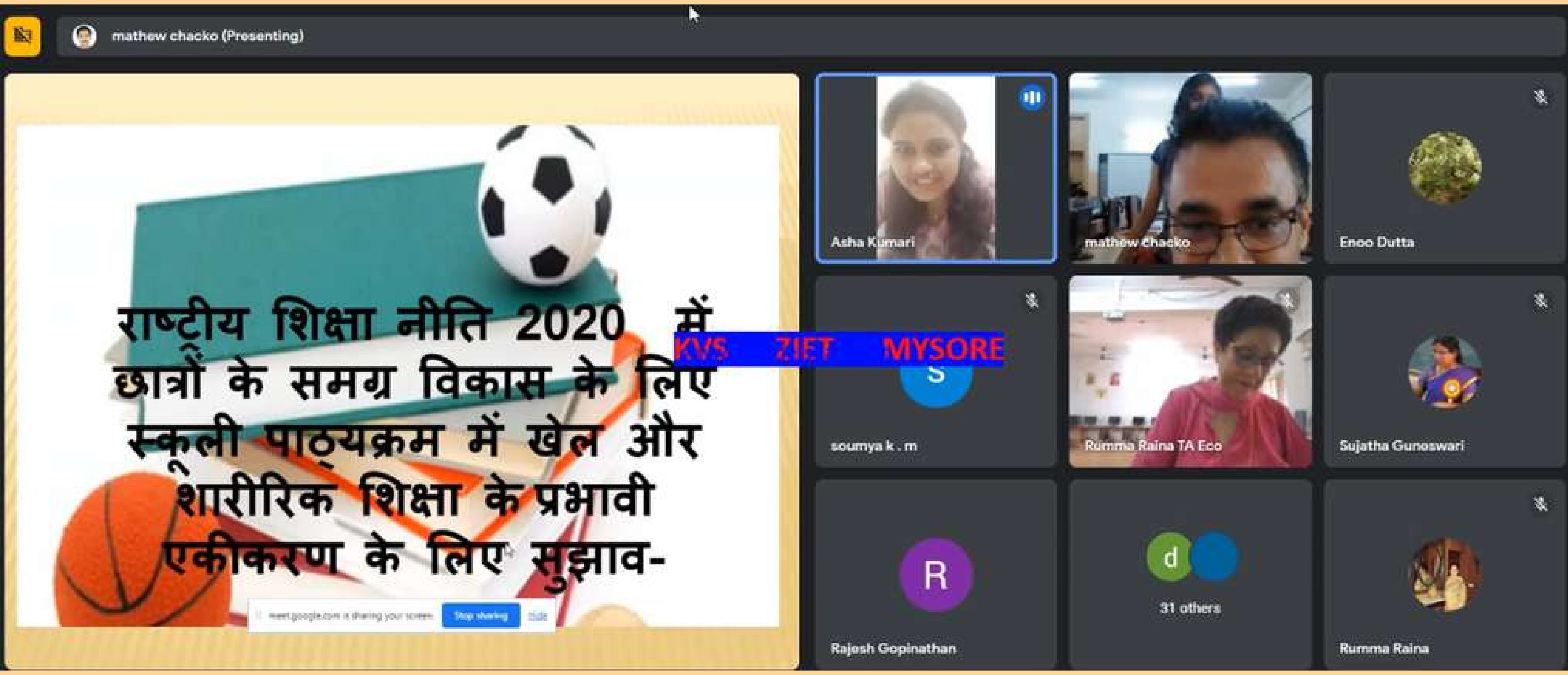

उद्घाटन सत्र के बाद, केवी एनएएल कैंपस, बेंगलुरु की रिसोर्स पर्सन, श्रीमती श्रीलता वी (पीजीटी गणित) ने " एनईपी 2020 के संदर्भ में समग्र विकास के लिए समग्र शिक्षा" पर एक सत्र लिया । इसके बाद अखिल भारतीय भाषण और श्रवण संस्थान, मैसूर से डॉ. जयश्री शानबल एसोसिएट प्रोफेसर और वर्तमान में टेली सेंटर फॉर पर्सन्स की प्रमुख द्वारा "एनईपी 2020 के संदर्भ में स्कूलों में विशेष जरूरतों वाली लड़कियों और बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया।
श्री मधुसूदन इंदावर प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक) जीट मैसूर ने "मूलभूत शिक्षा; निपुण भारत, एनईपी 2020 पर सत्र लिया । दिन का अंतिम सत्र श्री एस. सूर्य प्रकाश सिंह टीजीटी (शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा) केवी बोवेनपल्ली, हैदराबाद ने"एनईपी 2020 से स्कूल में खेल और शारीरिक शिक्षा का प्रभावी एकीकरण" पर लिया।
दूसरा दिन 5 सितंबर यानी शिक्षक दिवस था। समन्वयक और संसाधकों के साथ सभी प्रतिभागियों ने इस दिन को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। श्रीमती श्रीलता वी संसाधक ने पहले सत्र की शुरुआत ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र के रूप में की, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने पिछले दिन के सत्रों से अपने निष्कर्ष एक खुले मंच पर साझा किए। खुले सत्र के बाद, कार्यशाला समन्वयक श्रीमती रमा रैना ने प्रतिभागियों के साथ अपने विद्यालयों में वापस जाने के बाद अपनी सीख को लागू करने के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर एक सत्र लिया।

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर
संक्षिप्त प्रतिवेदन

"एनईपी-2020 निपुण भारत की नीति, अभ्यास और दृष्टिकोण और कक्षा I और II के लिए मूलभूत साक्षरता" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला पर एक रिपोर्ट

ज़ीट मैसूर द्वारा 06.09.2023 से 08.09. 2023. तक PRTs के लिए "एनईपी-2020 निपुण भारत की नीति, अभ्यास और दृष्टिकोण और कक्षा I और II के लिए मूलभूत साक्षरता" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। श्रीमान. एस. लक्ष्मीनारायणन, प्रिंसिपल, केवी, विरुधुनगर, चेन्नई संभाग ने पाठ्यक्रम के एसोसिएट कोर्स निदेशक के रूप में कार्य किया और श्रीमती पी.एस. नागलक्ष्मी, एचएम, केवी पिकेट, हैदराबाद संभाग संसाधिका के रूप में थी। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री बरुण कुमार झा, एचएम और ट्रेनिंग एसोसिएट (प्रा०), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया। एसोसिएट कोर्स निदेशक, श्री एस. लक्ष्मीनारायणन ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया।

ज़ीट मैसूर की निदेशिका सुश्री मीनाक्षी जैन ने अपने मुख्य भाषण में शिक्षकों से एनईपी 2020 और निपुण भारत के बारे में ज्ञान बढ़ाने और कक्षा में नियोजित किए जाने वाले तंत्र के बारे में शिक्षक की समझ बढ़ाने का आह्वान किया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि लक्ष्य हासिल किए जा सकें। उन्होंने व्यक्त किया कि कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहना चाहिए; समावेशन का अक्षरश: अभ्यास किया जाना चाहिए।
इन 3 दिनों के दौरान शिक्षक कक्षा 1 और कक्षा 2 के छात्रों के लिए अंग्रेजी और हिंदी में साक्षरता कौशल बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा करने में सक्षम थे। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों और संसाधक व्यक्तियों द्वारा दिए गए ज्ञान और मार्गदर्शन ने शिक्षकों को अपने ज्ञान का विस्तार करने के लिए पर्याप्त आधार प्रदान किया और छात्रों के विभिन्न समूहों के लिए उपयुक्त रचनात्मक और प्रभावी गतिविधियों को डिज़ाइन करने हेतु सक्षमता प्रदान किया |

शिक्षकों के लिए सीखने की प्रक्रियाओं को पढ़ाने की तकनीक ही नहीं, बल्कि सहानुभूति और उत्पादकता का सार भी रहा है। हमें पूरा यकीन है कि शिक्षक एक प्रेरक सीखने का माहौल बनाने और कक्षा में सभी छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करने में सक्षम होंगे।

हमें उम्मीद है कि इस कार्यशाला से मिली सीख शिक्षकों को और मजबूत करेगी और वे एनईपी 2020 और निपुण भारत में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

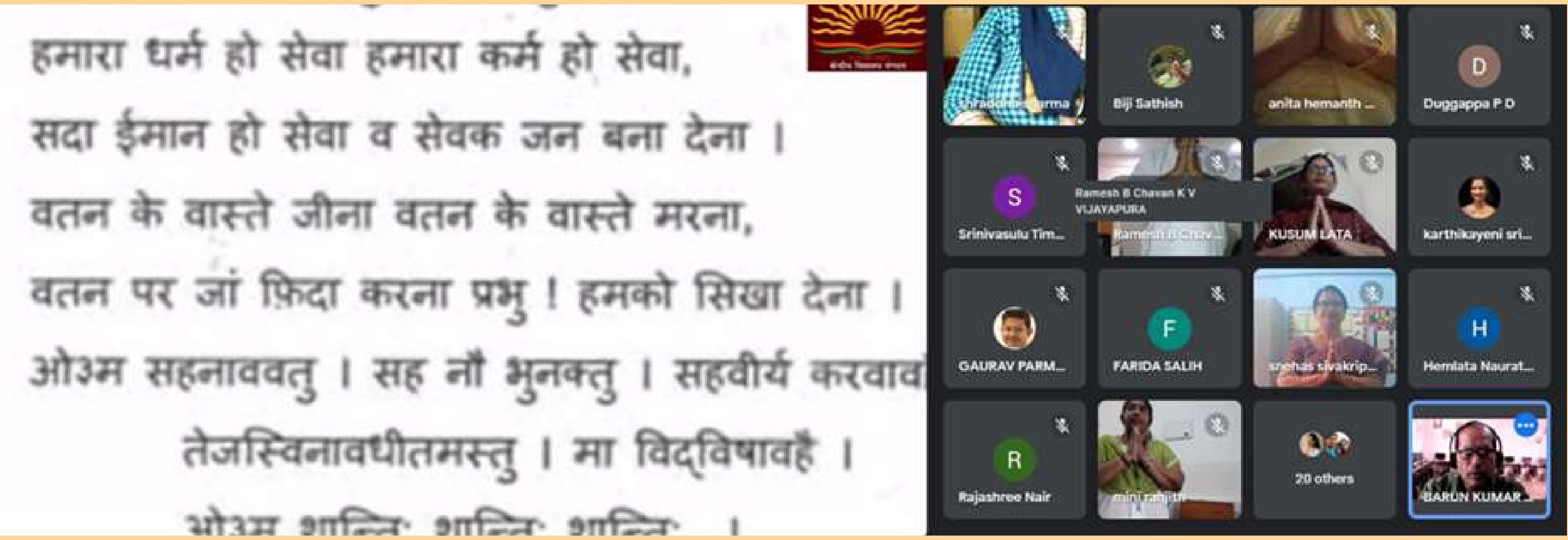

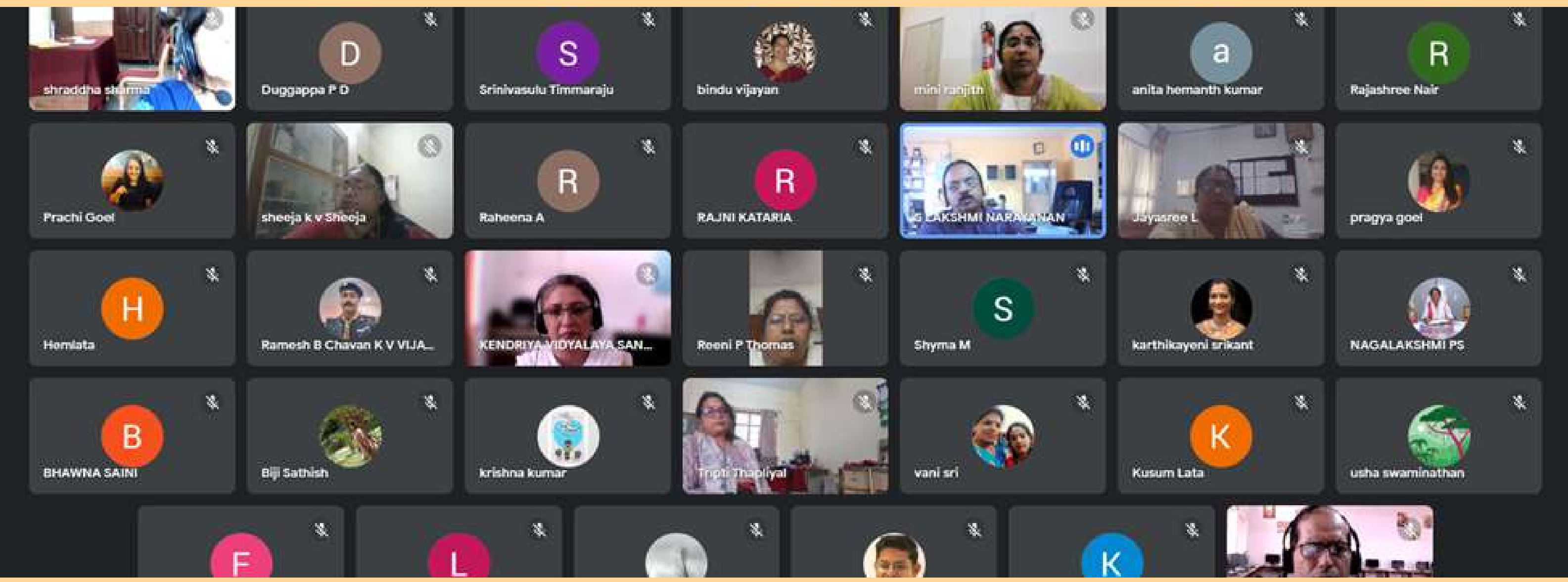

अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन कौशल विकसित करने पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला : एक रिपोर्ट

ZIET मैसूर द्वारा 11.09.2023 से 13.09.2023 तक "एनईपी 2020 के विशेष संदर्भ में पीजीटी (अंग्रेजी) के लिए अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन कौशल विकसित करना" विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमान एस टी मेत्रै, प्रिंसिपल, केवी, कोप्पल, बैंगलोर संभाग ने पाठ्यक्रम सहनिदेशक के रूप में कार्य किया और श्रीमती एलिजाबेथ के. फिलिप, पीजीटी (अंग्रेजी), केवी हेब्बल, बैंगलोर संभाग और श्रीमती ए. ज्योति पीजीटी (अंग्रेजी) केवी मीनांबक्कम चेन्नई संभाग ने संसाधक का काम किया। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। कार्यशाला के समन्वयक श्री एम. राजेंद्रन, प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेजी), ZIET मैसूर ने सभी का स्वागत किया। पाठ्यक्रम सहनिदेशक श्री एस टी मेत्रै ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया।ZIET मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने अपने मुख्य भाषण में शिक्षकों से छात्रों में भाषा कौशल विकसित करने का आह्वान किया क्योंकि भाषा के उपयोग से जुड़ी सभी स्थितियों से सहजता से निपटते हुए वे भाषा शिक्षक को ही कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

छोटे और लंबे लेखन कार्यों के विभिन्न रूपों के माध्यम से छात्रों को उनकी भाषा दक्षता बढ़ाने में मार्गदर्शन करने और रचनात्मक लेखन कौशल के संबंध में सीखने के परिणामों को प्राप्त करने के लिए तथा भाषा कक्षा निर्देशों में आईसीटी संसाधनों को एकीकृत करने में मदद करने के लिए कार्यशाला को डिज़ाइन किया गया था। प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर सत्रों में विभिन्न प्रौद्योगिकी उपकरणों, डिजिटल लेखन के प्रकार, डिजिटल संसाधनों आदि के बारे में ज्ञान प्रदान करने वाले एकीकृत पाठ और प्रौद्योगिकी उपकरणों के माध्यम से की जाने वाली क्रॉसवर्ड पहेलियाँ, चित्र पढ़ने आदि जैसी गतिविधियों को एक इंटरैक्टिव तरीके से प्रस्तुत किया गया।एनईपी 2020 के विशेष संदर्भ में कक्षा XI और XII के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रतिभागियों के बीच, योग्यता आधारित शिक्षण-अधिगम, नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण की समृद्ध गतिविधियाँ, पर हुई बातचीत और चर्चाओं ने छात्रों की रचनात्मक लेखन क्षमताओं को निखारने के लिए नवीन और व्यावहारिक विचार प्रदान किए।

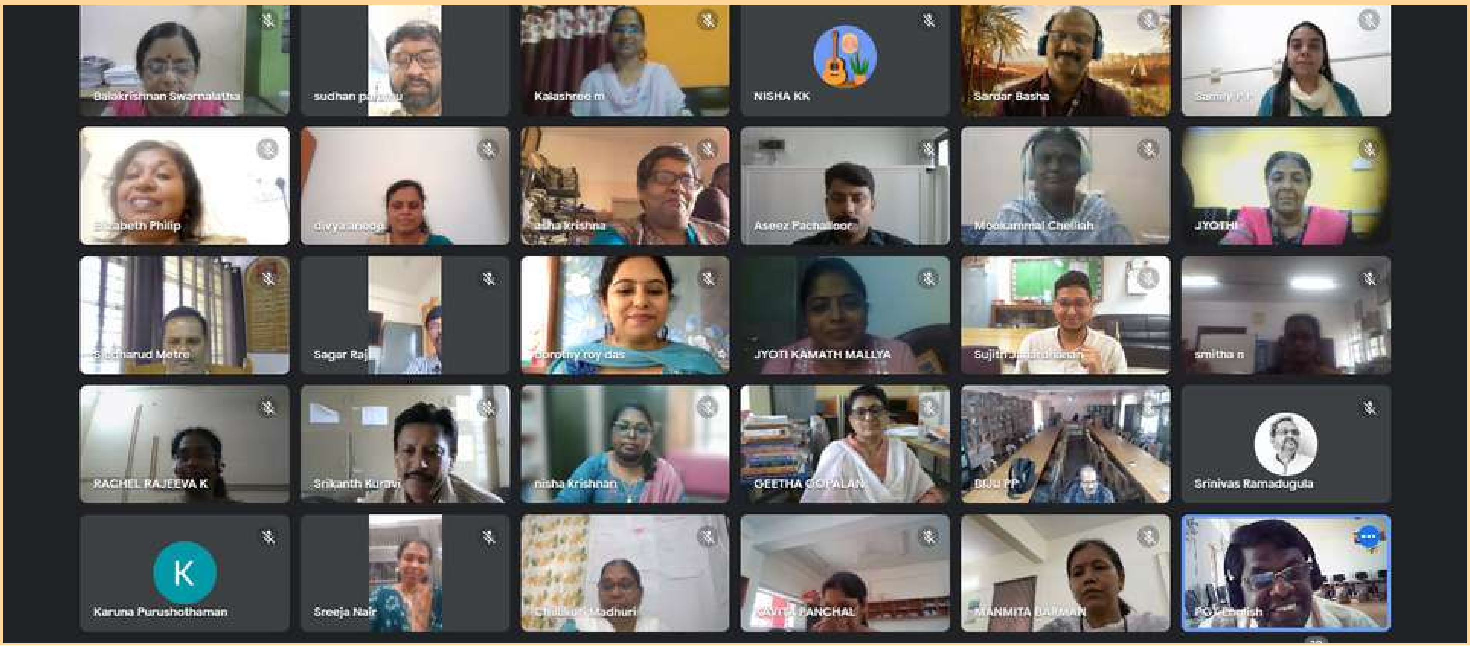

कक्षा XII के गणित के लिए अभिकथन और कारण और केस स्टडी आधारित प्रश्नों की तैयारी पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला (11.09.2023 से 13.09.2023)

ZIET मैसूर द्वारा 11.09.2023 से 13.09.2023 तक "कक्षा बारहवीं (गणित) के लिए अभिकथन एवं कारण तथा केस अध्ययन आधारित प्रश्न की तैयारी" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई । श्री के पी सुधाकरन, प्रिंसिपल, केवी नंबर 1 सीपीसीआरआई कासरगोड, एर्नाकुलम संभाग ने पाठ्यक्रम सह निदेशक के रूप में कार्य किया और श्रीमती बीना प्रिंस, पीजीटी (गणित), केवी पोर्ट ट्रस्ट, एर्नाकुलम संभाग और श्रीमती श्रीदेवी पी जी, पीजीटी(गणित) केवी एनटीपीसी कायमकुलम, एर्नाकुलम संभाग ने संसाधक के रूप में काम किया। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री डी. श्रीनिवासुलु, प्रशिक्षण सहयोगी (गणित), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया।

श्री के पी सुधाकरन, पाठ्यक्रम सह निदेशक ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रश्नपत्र पैटर्न और मूल्यांकन में बदलाव को समझने और उसे अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। ZIET मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने अपने मुख्य भाषण में दैनिक जीवन में गणित के महत्व और अनुसंधान प्रयोगशालाओं से गणित को सार्वजनिक जीवन में लाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बच्चों को गणित को दिल से सीखने के बजाय व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
कार्यशाला बारहवीं कक्षा के गणित के लिए अभिकथन और कारण और केस-आधारित प्रश्न तैयार करने के लिए डिज़ाइन की गई थी। सभी प्रतिभागियों ने बारहवीं कक्षा के गणित के लिए अध्यायवार अभिकथन एवं कारण और केस-आधारित प्रश्न और समाधान तैयार किए और कार्यशाला के दौरान हर दिन समय सारिणी के अनुसार इसे प्रस्तुत किया। आंतरिक वक्ता श्री श्रीनिवासन, पीजीटी (गणित), के वी अशोक नगर ने जियोजेब्रा के दायरे को गणितीय अवधारणाओं जैसे कार्यों के ग्राफ आदि को समझाने के लिए एक उपकरण के रूप में वर्णित किया। श्री धर्मेश कुमार सिंह, लाइब्रेरियन, ZIET, मैसूरु ने वेकलेट प्लेटफ़ॉर्म और छात्रों के लिए सामग्री को संग्रहीत करने और साझा करने का इसका उपयोग, इसके निर्माण के बारे में बताया। । श्री डी श्रीनिवासलु, समन्वयक ने प्रतिभागियों को ओबीएस स्टूडियो का उपयोग करके गणित के पाठों की रिकॉर्डिंग के बारे में जानकारी दी। अपनी सूक्ष्म योजना के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला सार्थक रही।

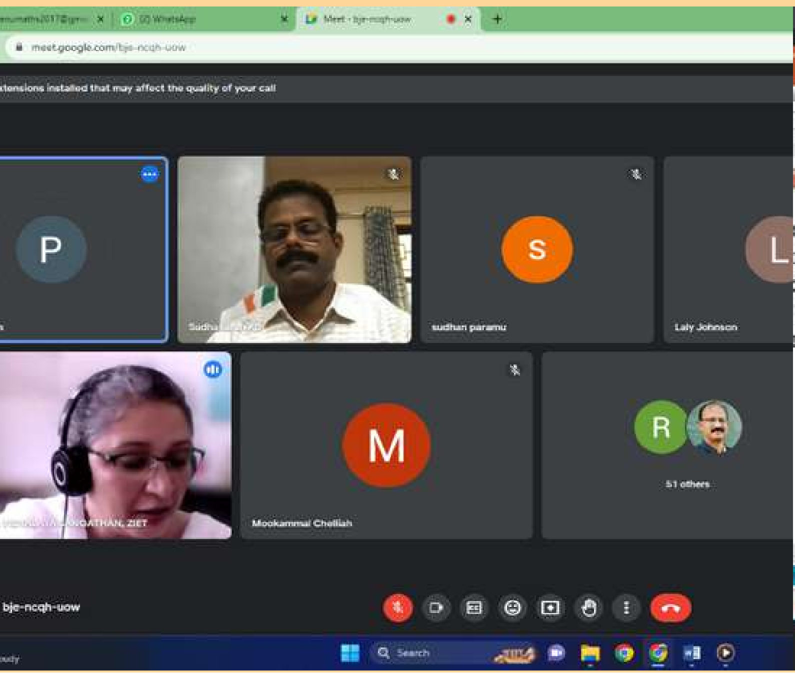

सीबीएल गणित में दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की रिपोर्ट (14.09.2023 से 15.09.2023 तक)

प्राथमिक अनुभाग में गणित पढ़ाने वाले पीआरटी शिक्षकों के लिए ZIET मैसूरु द्वारा 14.09.2023 से 15.09.2023 तक सीबीएल गणित में दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला में चार फीडर संभाग अर्थात बेंगलुरु, चेन्नई, एर्नाकुलम, हैदराबाद के 26 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक शिक्षकों को गणित में योग्यता आधारित शिक्षण और मूल्यांकन रणनीतियों से परिचित कराना था। कार्यशाला के अंत में प्रशिक्षु शिक्षक इससे परिचित होंगे

- **गणित में योग्यता आधारित शिक्षा और मूल्यांकन ताकि वे प्रभावी ढंग से छात्रों में सक्रिय शिक्षण की सुविधा प्रदान कर सकें।**
- **गणित में सीखने के संसाधन।**
- **गणित शिक्षण और उत्पादक मूल्यांकन के लिए मल्टीमीडिया संसाधनों का उपयोग।• भारत के पारंपरिक भारतीय खेलों का परिचय**
- **गणित में सीबीएल और हॉट्स।**
- **गणित में समस्या आधारित शिक्षा।**
- **प्राथमिक कक्षाओं के लिए जियोजेब्रा का उपयोग।**

पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई, जिसके बाद समन्वयक द्वारा कार्यशाला से संबंधित निर्देशों की जानकारी दी गई। पहला सत्र अतिथि वक्ता डॉ. टी.वी. सोमशेखर सहायक प्रोफेसर,आरआईई मैसूरु द्वारा "गणित कक्षा I-V में योग्यता आधारित शिक्षा और मूल्यांकन" पर लिया गया ।

दूसरा सत्र संसाधक सुश्री टी.वी. दिव्या, पीआरटी, केवी, कंजीकोड, पालक्काड़ द्वारा "गणित में सीखने के संसाधन" पर लिया गया । दोपहर के भोजन के बाद का सत्र आंतरिक वक्ता सुश्री रमेश कुमार सुधा, पीआरटी, केवी, आईआईएससी, बेंगलुरु द्वारा "गणित शिक्षण और उत्पादक मूल्यांकन के लिए मल्टीमीडिया संसाधन" पर लिया गया। अंत में मधुसूदन इंदावर , टीए (प्राथमिक) द्वारा "भारत के पारंपरिक भारतीय खेलों का परिचय" पर एक सत्र लिया गया और उसके बाद समूह कार्य किया गया।

दूसरे दिन की शुरुआत केवी प्रार्थना से हुई, इसके बाद समूहों द्वारा पहले दिन की सत्रवार रिपोर्ट और समन्वयक द्वारा दूसरे दिन के कार्यक्रम की जानकारी दी गई। पहला सत्र मधुसूदन इंदावर , टीए (प्राथमिक) द्वारा "गणित में सीबीएल और हॉट्स" पर लिया गया। दूसरा सत्र संसाधक सुश्री टी.वी. दिव्या, पीआरटी, केवी, कांजीकोड, पलक्कड़ द्वारा "गणित में समस्या आधारित शिक्षा" लिया गया।

इस के बाद चारों समूहों द्वारा समूह कार्य की प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन्फिनिटी ग्रुप से सुश्री जिशा सीएम ने "पैटर्न" विषय पर प्रस्तुति दी, पाई ग्रुप से सुश्री हेमलता डी ने मापन विषय पर प्रस्तुति दी। लंबाई की माप विषय पर गूगोल समूह से सुश्री लक्ष्मी प्रभा बर्ली। मैथलेट्स समूह से सुश्री जयश्री एल ने जियोजेब्रा विषय पर इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया प्रस्तुति और अंश विषय पर वर्कशीट प्रस्तुत की। सुश्री निवेदिता बालाजी ने शिक्षण संसाधनों पर प्रस्तुति दी। इसके बाद मेंटर द्वारा सकारात्मक और रचनात्मक प्रतिक्रिया दी गई। समापन सत्र में चारों संभाग के प्रतिभागियों ने सीबीएल कार्यशाला से अपने प्रभाव और सकारात्मक बातें बताईं। दिन का समापन निदेशक, ZIET मैसूरु के आशीर्वाद और उसके बाद राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एनईपी 2020 के अनुसार भाषा शिक्षण और मूल्यांकन पर तीन दिवसीय कार्यशाला (20.09.2023 to 22.09.2023)

रिपोर्ट / REPORT

जीट मैसूर द्वारा 20.09.2023 से 22.09.2023 तक "एनईपी 2020 के अनुसार भाषा शिक्षण और मूल्यांकन" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई । सुश्री रेणु बेरवाल उप प्राचार्या केवी ओसीएफ आवडी चेन्नई संभाग ने पाठ्यक्रम सह निदेशक के रूप में कार्य किया और श्रीमती सुजाता चौकिया, पीजीटी (हिंदी), केवी एनपीए शिवरामपल्ली हैदराबाद संभाग , श्री पी जयराजन पीजीटी (हिंदी) केवी एएफएस आवड़ी चेन्नई संभाग संसाधक रहे । कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों के कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री हरि शंकर प्रशिक्षण सहयोगी (हिंदी) जीट मैसूर और कार्यशाला समन्वयक ने सभी का स्वागत किया। पाठ्यक्रम सह निदेशक सुश्री रेणु बेरवाल ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने एनईपी 2020 में बदलावों को समझने और इसे अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर ने अपने मुख्य भाषण में दैनिक जीवन में भाषा के महत्व को बताते हुए छात्रों को दैनिक जीवन में भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को निर्दिष्ट किया। कार्यशाला का उद्देश्य एनईपी 2020 को समझने और भाषा शिक्षण और मूल्यांकन प्रथाओं में परिस्थितियों के अनुसार बदलाव लाने पर जोर देना था । सत्र संसाधक व्यक्तियों द्वारा लिए गए |

श्रीमती रेवती अय्यर, पीजीटी (हिंदी), केवी एमईजी और सेंटर बेंगलुरु संभाग , राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने एनईपी 2020 के अनुसार प्रभावी पाठ योजना लिखने पर एक सत्र लिया। एआईआईएसएच मैसूर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जयश्री शानबल ने समावेशी शिक्षा पर सत्र लिया और प्रतिभागियों की शंकाओं को दूर किया। श्री धर्मेश कुमार सिंह, लाइब्रेरियन, जेडआईईटी, मैसूरु ने शिक्षण और मूल्यांकन प्रथाओं में प्रौद्योगिकी (एच 5 पी प्लेटफॉर्म और इसके उपयोग) के उपयोग के बारे में बताया। श्री डी श्रीनिवासालु, टीए गणित ने प्रतिभागियों को ओबीएस स्टूडियो का उपयोग करके पाठ रिकॉर्ड करने के बारे में जानकारी दी। ओ बी एस रिकॉर्डिंग के प्रायोगिक सत्र का मार्गदर्शन पाठ्यक्रम समन्वयक श्री हरि शंकर ने किया।

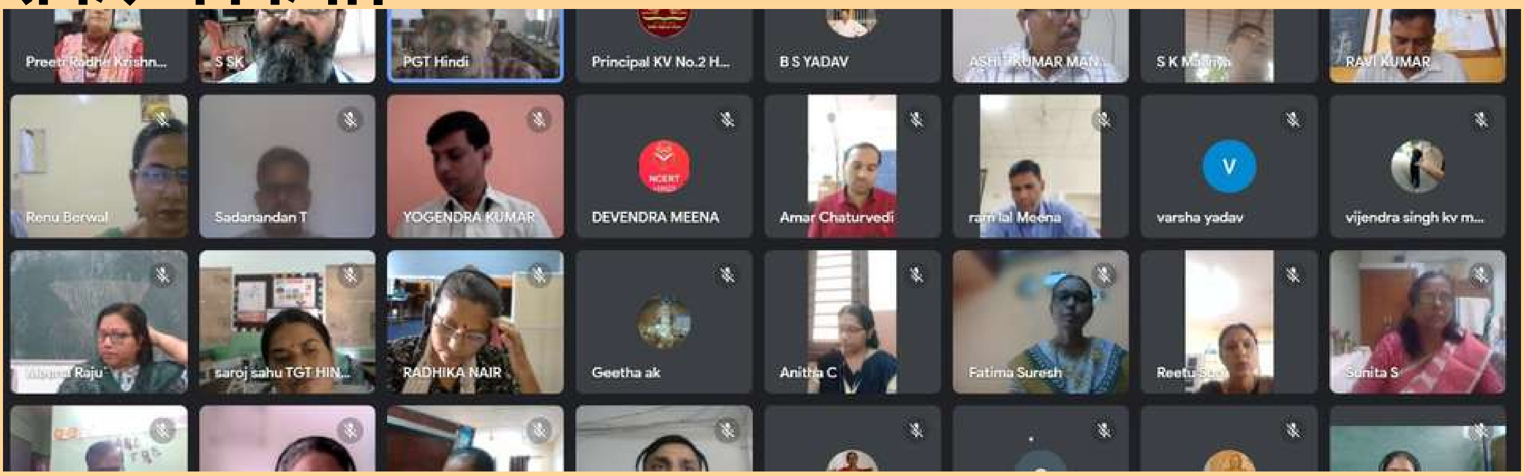

कार्यशाला रिपोर्ट /REPORT OF THE WORKSHOP

सामाजिक विज्ञान पढ़ाने में योग्यता-आधारित शिक्षा (सीबीई) पर एक कार्यशाला 20.09.23 से 22.09.23 तक ZIET मैसूर में आयोजित की गई | इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को सीबीई को प्रभावी ढंग से लागू करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार भारत में विकसित शैक्षिक परिदृश्य के साथ शिक्षण प्रथाओं को संरेखित करने के लिए आवश्यक उपकरणों और ज्ञान से लैस करना है। चार फीडर क्षेत्रों (बैंगलोर, चेन्नई, एर्नाकुलम और हैदराबाद)) से सत्ताईस प्रतिभागी ने वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला में भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षा और शिक्षाशास्त्र से संबंधित सामग्री को शामिल किया गया। सत्रों ने शिक्षकों को योग्यता-आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने और समकालीन शैक्षिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए ज्ञान और रणनीतियाँ प्रदान कीं।

श्री हरिप्रसाद प्रिंसिपल, केवी एनएफसी नगर, हैदराबाद एसोसिएट कोर्स डायरेक्टर , डॉ. खुशनम टीजीटी एसएसटी, केवी एनएएल बैंगलोर और श्रीमती उषा कुमारी पी टीजीटी एसएसटी, केवी तृश्शूर संसाधक रहे। पाठ्यक्रम का समन्वय, निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन के मार्गदर्शन में, प्रशिक्षण सहयोगी (भूगोल) श्री पी. सेल्वामणि द्वारा किया गया ।

प्रतिभागियों ने वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया जहां विभिन्न सत्र और चर्चाएं हुईं। कार्यक्रम के बाद के कार्य सौंपे गए, और निदेशक की सहमति से समन्वयक द्वारा एक रिपोर्ट संकलित की गई।

"बारहवीं कक्षा के अनुप्रयुक्त गणित के लिए अध्ययन सामग्री और मॉड्यूल का विकास(25.09.2023 to 27.09.2023)

ZIET मैसूर द्वारा 25.09.2023 से 27.09.2023 तक "बारहवीं कक्षा के अनुप्रयुक्त गणित के लिए अध्ययन सामग्री और मॉड्यूल का विकास" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। श्री अजीमोन ए चेल्लमकोट, प्रिंसिपल, केवी इडुक्की, एर्नाकुलम संभाग ने पाठ्यक्रम सह निदेशक के रूप में कार्य किया। श्री आर एस एन आचार्युलु, पीजीटी (गणित), मलकापुरम, और श्री ईवीएलएन वंशी कृष्णा, पीजीटी (गणित) तिरुपति नंबर 1 शिफ्ट 1 हैदराबाद संभाग संसाधक रहे । कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री डी. श्रीनिवासुलु, प्रशिक्षण सहयोगी (गणित), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया।

श्री अजीमोन ए चेल्लमकोट, पाठ्यक्रम सह निदेशक पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्र पैटर्न और मूल्यांकन को समझने की आवश्यकता और इसे अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

ZIET मैसूर की निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन ने अपने मुख्य भाषण में दैनिक जीवन में गणित के महत्व और गैर-इंजीनियरिंग विषयों का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए अनुप्रयुक्त गणित के उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बच्चों को गणित को दिल से सीखने के बजाय व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

श्री ईवीएलएन वंशी कृष्णा, पीजीटी (गणित) ने एनईपी 2020 के अनुसार अनुप्रयुक्त गणित की आवश्यकता और गणित और अनुप्रयुक्त गणित के बीच वैचारिक अंतर के बारे में बताया।
कार्यशाला बारहवीं कक्षा के अनुप्रयुक्त गणित के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए डिज़ाइन की गई थी। सभी प्रतिभागियों ने बारहवीं कक्षा के अनुप्रयुक्त गणित के लिए अध्यायवार सामग्री तैयार की और कार्यशाला के दौरान प्रतिदिन समय सारिणी के अनुसार प्रस्तुत की। आंतरिक वक्ता श्री श्रीनिवासन, पीजीटी (गणित), केवी अशोक नगर ने जियोजेब्रा के दायरे को गणितीय अवधारणाओं जैसे कार्यों के ग्राफ आदि को समझाने के लिए एक उपकरण के रूप में वर्णित किया। श्री धर्मेश कुमार सिंह, लाइब्रेरियन, ZIET, मैसूरु ने वेकलेट प्लेटफ़ॉर्म इसके निर्माण और छात्रों के लिए सामग्री को संग्रहीत करने और साझा करने का इसका उपयोग के बारे में बताया। । श्री डी श्रीनिवासलु समन्वयक ने प्रतिभागियों को ओबीएस स्टूडियो का उपयोग करके गणित के पाठों की रिकॉर्डिंग के बारे में जानकारी दी। अपनी सूक्ष्म योजना के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला बहुत सार्थक रही।

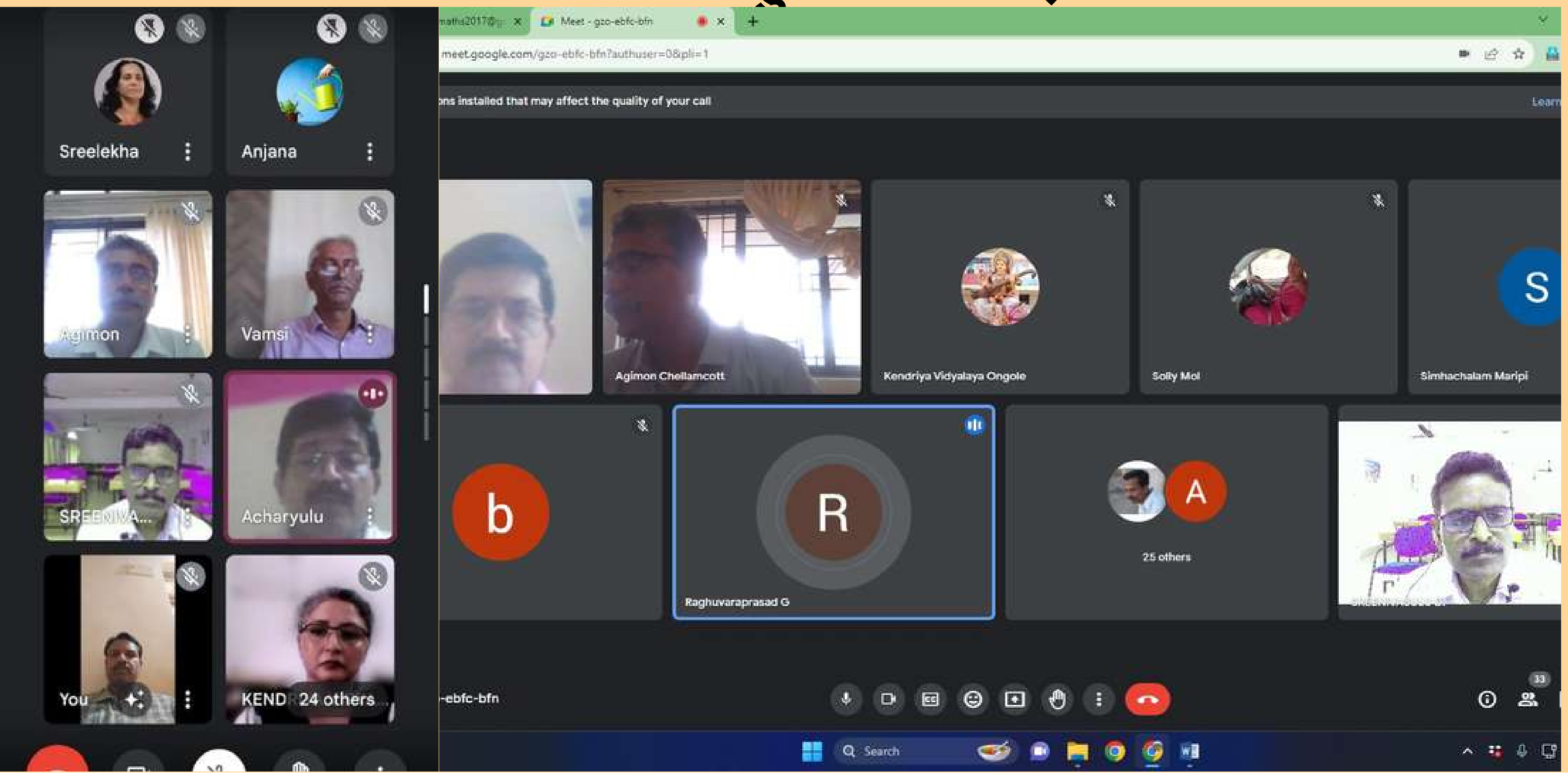

"एनईपी 2020 के आलोक में प्राथमिक अनुभाग के प्रभावी नेता के रूप में एचएम" विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला पर एक रिपोर्ट|

ZIET मैसूर द्वारा 25.09.2023 से 26.09. 2023 तक एचएम के लिए "एनईपी 2020 के आलोक में प्राथमिक अनुभाग के प्रभावी नेता के रूप में एचएम" पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी।श्रीमती. अमुथा जे., एचएम, केवी नंबर 2 मदुरै, चेन्नई क्षेत्र ने संसाधिका के रूप में काम किया। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री बरुण कुमार झा, एचएम और ट्रेनिंग एसोसिएट (प्रा०), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया।

ZIET मैसूर की निदेशिका सुश्री मीनाक्षी जैन ने अपने मुख्य भाषण में एचएम से एनसीएफ-एफएस, प्रभावी स्कूल नेतृत्व, बदलती जरूरतों के मद्देनजर बदलती भूमिकाओं के अनुसार एचएम की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में ज्ञान का विस्तार करने का आह्वान किया। इन 2 दिनों के दौरान एचएम क्लास रूम संगठन और प्रबंधन जानकारी के साथ नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा करने में सक्षम हुए ताकि वे क्लास रूम और विद्यालय में एक सीखने के माहौल को व्यवस्थित करने में सक्षम हो सकें जो सफलता और स्वीकृति, खुशी और चुनौती के माहौल को बढ़ावा देता है।

इस क्षेत्र के विशेषज्ञों और संसाधकों/वक्ताओं द्वारा दिए गए ज्ञान और मार्गदर्शन ने एचएम को आगे विस्तार करने और प्राथमिक अनुभाग में विभिन्न गतिविधियों के लिए उपयुक्त प्रभावी रणनीतियों को डिजाइन करने के लिए पर्याप्त आधार प्रदान किया।

एचएम के लिए सीखने की प्रक्रियाओं को पढ़ाने की तकनीक ही नहीं, बल्कि सहानुभूति और उत्पादकता का सार भी है। हमें पूरा यकीन है कि एचएम प्राथमिक अनुभाग में एक प्रेरक सीखने का माहौल बनाने और सभी हितधारकों के लिए समान अवसर प्रदान करने में सक्षम होंगे।

हमें उम्मीद है कि इस कार्यशाला से मिली सीख शिक्षकों को और मजबूत करेगी और वे एनईपी 2020 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

बरुण कुमार झा

एचएम एवं प्रशिक्षण सहयोगी (प्रा०)

ZIET मैसूर और

समन्वयक

प्रयोगशाला का अनबॉक्स आधुनिकीकरण और प्रयोगशाला कौशल में वृद्धि

ZIET मैसूर द्वारा 04.10.2023 से 06.10 तक "लैब के अनबॉक्स आधुनिकीकरण और प्रयोगशाला कौशल में वृद्धि" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। 2023. श्री रणधीर वैनेरी, पीजीटी (भौतिकी), केवी -1 पलक्कड़, एर्नाकुलम क्षेत्र और सुश्री मोनी के आर, पीजीटी (भौतिकी), केवी -1 पलक्कड़, एर्नाकुलम क्षेत्र संसाधन व्यक्ति थे। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों से कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ। श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया। श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी), ZIET मैसूर और कार्यशाला के समन्वयक, ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान शिक्षा शिक्षण में व्यावहारिक कौशल के महत्व को समझने और उसे अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

ZIET मैसूर की निदेशक सुश्री मेनाक्सी जैन ने अपने मुख्य भाषण में दैनिक जीवन में प्रैक्टिकल के महत्व और छात्रों के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धति का उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बच्चों को वैज्ञानिक तथ्यों को दिल से सीखने के बजाय व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों में नैतिकता और मूल्यों की शिक्षा देने के लिए भारतीय वैज्ञानिकों के चित्रों के साथ-साथ विज्ञान और समाज के प्रति उनके योगदान को प्रदर्शित करने का भी सुझाव दिया।

कार्यशाला को व्यावहारिक कौशल को बढ़ाने और छात्रों के लाभ में सच्ची भावना से प्रयोगशाला उपकरणों के आधुनिकीकरण का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और उन्हें आलोचनात्मक और रचनात्मक विचारक बनाने के लिए गतिविधि आधारित, अनुभवात्मक शिक्षा और करके सीखना सबसे अच्छी तकनीकें हैं। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों ने समय सारिणी के अनुसार गतिविधियों का प्रदर्शन किया। श्री जॉयस सेबेस्टियन टीजीटी (डब्ल्यूई) केवी एएफएस येलहंका और आंतरिक वक्ता ने एटीएल लैब के तहत अरुडिनो के साथ काम करने पर एक सत्र लिया। श्री बिनेश एमएन टीजीटी (डब्ल्यूई) केवी एर्नाकुलम और आंतरिक वक्ता ने एटीएल प्रयोगशालाओं पर एक सत्र लिया: पाठ्यक्रम और विभिन्न सेंसर का परिचय। समन्वयक दिनेश कुमार ने एनईपी 2020 के अनुसार विज्ञान पढ़ाने के लक्ष्य और उद्देश्य और प्रैक्टिकल जीवन कौशल को बढ़ाते हैं विषयों पर सत्र लिया। कार्यशाला के दौरान समन्वयक ने कई गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया। अपनी सूक्ष्म योजना के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला बहुत सार्थक रही।

दिनेश कुमार,
टीए (भौतिकी) एवं पाठ्यक्रम समन्वयक,
ZIET मैसूरु

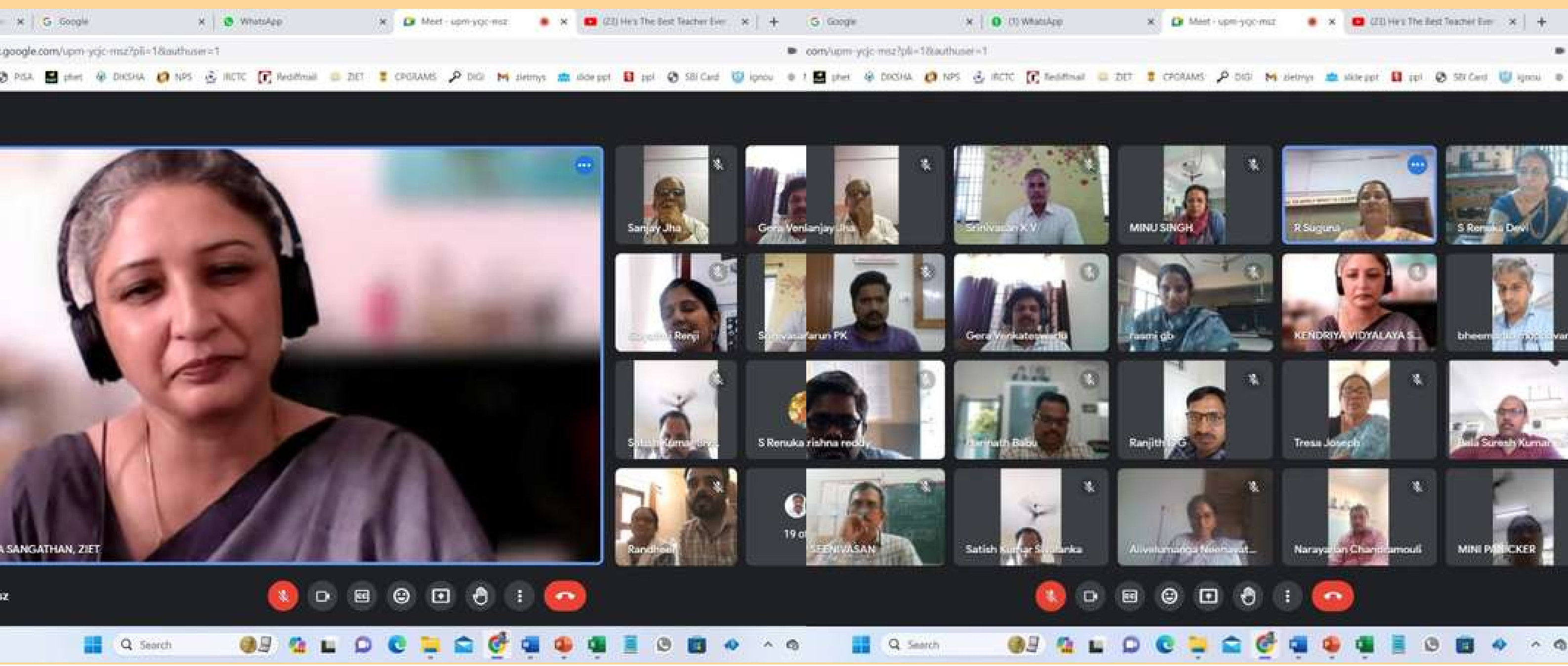

हिन्दी पखवाड़ा समारोह - 2023

शिक्षा और प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर में हिन्दी पखवाड़ा समारोह 14-सितंबर 2023 से 28-सितंबर-2023 तक विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। 14 सितंबर, को हिन्दी दिवस मनाया गया और इसका उद्घाटन सुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक ज़ेडआईईटी मैसूर द्वारा किया गया | हिन्दी दिवस की शुरुआत पुणे में आयोजित तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा हिन्दी सम्मेलन के कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़कर हुई जिसका उद्घाटन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा किया गया था | इस संस्थान के कर्मचारियों ने अखिल भारतीय राजभाषा हिन्दी सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में अपनी ऑनलाइन भागीदारी दी | कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रमा रैना (टी ए अर्थशास्त्र) ने किया |
संस्थान में 14 सितंबर 2023 को हिन्दी दिवस मनाया गया | श्रीमती रमा रैना (टी ए अर्थशास्त्र) ने कार्यक्रम का संचालन किया | श्री हरिशंकर, प्रशिक्षण सहयोगी (हिन्दी) ने स्वागत भाषण दिया और इस संस्थान में हिन्दी में हो रहे कार्यों की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की | श्री वरुण कुमार झा (टी ए प्राइमरी) ने हिंदी प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डालते हुए अपना भाषण दिया| श्री मधुसूदन इंदावर (टी ए प्राइमरी) ने हिन्दी में एक गीत सुनाया | श्री एस मुरुगन (टी ए इतिहास) ने बड़े उत्साह के साथ हिन्दी में भाषण दिया और अपने हिन्दी ज्ञान का परिचय दिया | स अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री महोदय के संदेश तथा आयुक्त केवीएस द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर जारी अपील पढ़कर सबको सुनाया गया | इसुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक ज़ेडआईईटी मैसूर द्वारा सभी का संबोधन किया गया |

उन्होंने व्यक्त किया कि हिंदी प्रचार और प्रसार में सभी को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और इसमें कहीं कोई कमी नहीं आनी चाहिए | अंत में श्री धर्मेश कुमार सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष ने सभी उपस्थित कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया | कार्यक्रम के बाद सभी कर्मचारियों ने हिन्दी पोस्टर और स्लोगन लेखन कार्यक्रम में भाग लिया और "भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन बनाए|

हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रशासनिक शब्द अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी), हिंदी सुलेख, हिंदी टंकण, हिंदी आलेख, हिंदी प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं कर्मचारियों के लिए आयोजित की गईं | प्रतियोगिताएं तीन वर्गों में(-ऑफिस एवं सब स्टाफ कर्मचारी, हिन्दीतर भाषी कर्मचारी, हिन्दी भाषी कर्मचारी) विभाजित करके रखीं गईं ताकि सभी कर्मचारियों को इसका लाभ मिल सके | वर्ष 2022-23 में सबसे ज्यादा हिन्दी टिप्पण कार्य करने वाले कर्मचारी को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना गया | 03 अक्तूबर 2023 अपराह्न 4.00 बजे समापन समारोह का आयोजन किया गया। सभी संकाय और कार्यालय कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया | सुश्री मीनाक्षी जैन उपायुक्त एवं निदेशक ज़ेडआईईटी मैसूर ने अध्यक्ष का पद संभाला | कार्यक्रम संचालन श्री हरिशंकर, प्रशिक्षण सहयोगी (हिन्दी) ने किया | कार्यक्रम में हिन्दी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया | स्वागत भाषण श्री दिनेश कुमार (टी ए भौतिकी) ने दिया | पखवाड़े की रिपोर्ट श्री हरिशंकर द्वारा पढ़ी गई |

उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं के नाम भी घोषित किए | निदेशक महोदया ने सभी कर्मचारियों को संबोधित किया और पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी | अंत में श्री धर्मेश कुमार सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया |

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला
दिनांक 27 सितंबर 2023

दिनांक 09/08/2021 में हुए online राजभाषा निरीक्षण एवं तिमाही समीक्षा में दिए निर्देशों के अनुसार जुलाई से सितंबर 2023 तिमाही में जीट मैसूर में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन 27 सितंबर 2023 को आयोजित किया गया | कार्यशाला में सभी कर्मचारियों ने भाग लिया | कार्यशाला का उद्घाटन 9.30 -10.00 a.m को जीट मैसूर के निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन द्वारा किया गया । कार्यशाला में श्री हरिशंकर टी ए हिन्दी ने राजभाषा हिन्दी का संवैधानिक प्रावधान और श्री धर्मेश कुमार सिंह पुस्तकालयाध्यक्ष ने हिंदी भाषा प्रोद्योगिकी एवं विकास- H5P का उपयोग पर सत्र लिए | कार्यशाला के अंतिम दो सत्र प्रायोगिक कार्य के लिए रखा गया |

जीट मैसूर मे स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन
1 -10-2023 : समय 10:00 AM तो 11:00 AM

जीट मैसूर में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार जीट प्रांगण एवं क्षेत्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के तत्वाधान में सम्पूर्ण किया गया इस कार्यक्रम के अवसर पर निदेशक जीट मैसूर मीनाक्षी जैन एवं कार्यकारी अधिकारी क्षेत्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय एवं सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

वर्ष 2023 के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा प्रस्तावित तीन महीने के अभियान

(16 अगस्त से 15 नवंबर 2023) तक ज़ीट मैसूर द्वारा संचालित गतिविधियों पर रिपोर्ट

- **बेंगलुरु, चेन्नई, एर्नाकुलम और हैदराबाद क्षेत्रों के 36 केवी शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए 'साइबर सुरक्षा और संरक्षा' पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया**
- **ज़ीट मैसूर के कर्मियों ने नारा लेखन,पोस्टर बनाना,आलेख लेखन एवं प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में भाग लिया**
- **30 अक्टूबर को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली गयी**
- **31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में एकता दिवस मनाते हुए केंद्रीय विद्यालय मैसूर के लगभग 250 विद्यार्थियों के साथ एकता दौड़ में भाग लिया**
- **PIDPI पर आधिरित एक पीपीटी प्रस्तुत किया गया**

Integrity Pledge
ve that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and
ess of our country. I believe that all stakeholders such as Government, citizens and
e sector need to work together to eradicate corruption.I realize that every citizen s
ilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and su
ht against corruption.
efore, pledge:
follow probity and rule of law in all walks of life;
neither take nor offer bribe;
perform all tasks in an honest and transparent manner;
act in public interest;
lead by example exhibiting integrity in personal behaviour;
report any incident of corruption to the appropriate agency.
KA, 31st Oct 2023
3624436873
MENAXI JAIN
CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

VIGILANCE AWARENESS WEEK
30th OCTOBER TO 5th NOVEMBER ~ 2023
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
ZONAL INSTITUTE OF EDUCATION & TRAINING
MYSORE

NCC
NCC
K.V.MYSURU

NCC
NCC
K.V.MYSURU

VIGILANCE AWARENESS WEEK
राष्ट्रीय एकता दिवस
NATIONAL UNITY DAY
K.V.MYSURU

K.V.MYSURU